

पद ३३०

(राग: भूप जिल्हा - ताल: त्रिताल)

जब ले जावे क्या रे करेगा ॥ध्रु.॥ मालमत्ता तू खूब जमाया ।
साथ न आवे यहीं धरेगा ॥१॥ मानिक के मन जो नर जीवे । आखिर
वो इक दिन मरेगा ॥२॥